भूगोल (वैकल्पिक विषय)

(मॉडल टेस्ट-II)

DTVF/18(JS)–OPS–G10

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	*अधिकतम अंक: 250* *Maximum Marks: 250*

नाम (Name): सुनिल कुमार धनवत्ता

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ [✓] नहीं [ ]

मोबाइल नं. (Mobile No.): [redacted]

ई-मेल पता (E-mail address): [redacted]

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 10 / 11 सितम्बर, 2018

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll No. UPSC (Pre) Exam-2018]:

0	8	1	9	0	8	7

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिन्दी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): [signature]

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

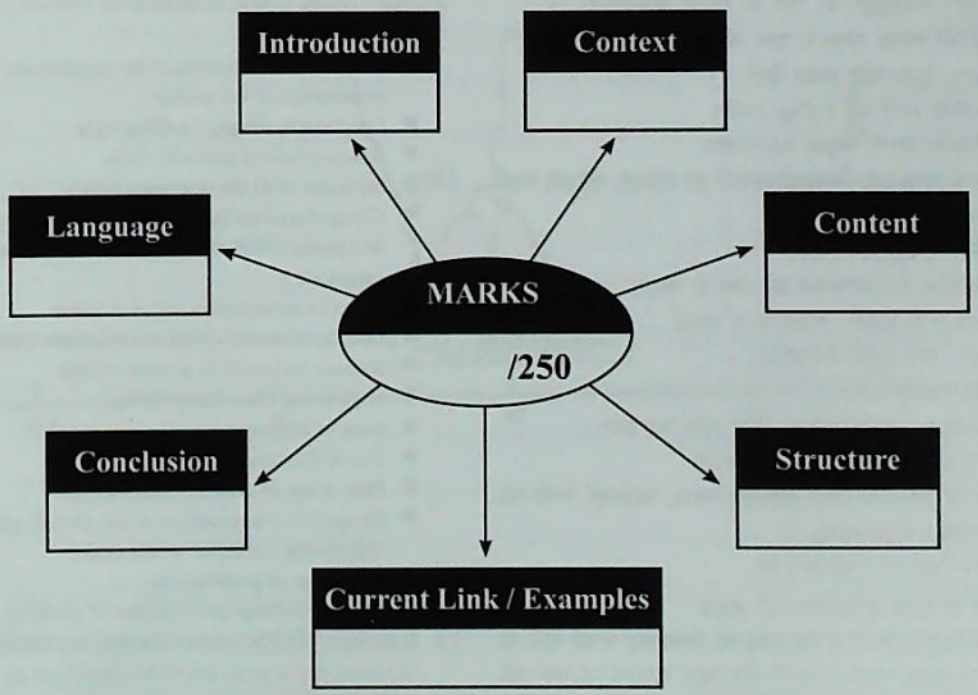

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

A3

सुनिल धनवन्ता

भारत

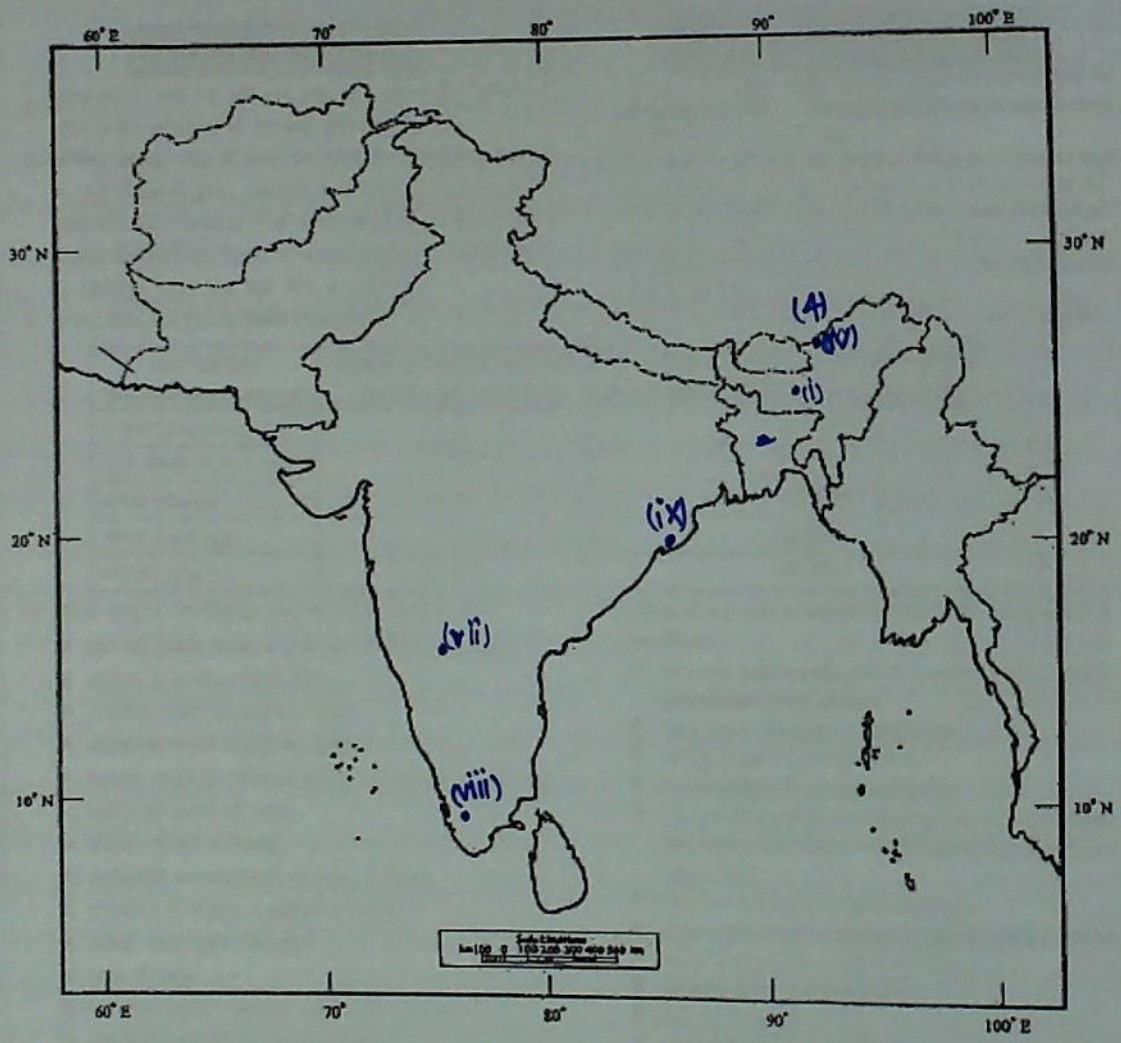

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

Please do not write anything except the question number in this space)

खंड - क/ SECTION - A

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

1. (a) आपको दिये गए भारत के रेखामानचित्र पर निम्नलिखित सभी की स्थिति को अंकित कीजिये। अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में इन स्थानों में से प्रत्येक का भौतिक/वाणिज्यिक/आर्थिक/पारिस्थितिक/पर्यावरणीय/सांस्कृतिक महत्त्व अधिकतम 30 शब्दों में लिखिये:

On the given outline map of India provided to you, mark the location of all the following. Write in your QCA booklet, the significance of these locations, whether physical/commercial/economic/ecological/environmental/cultural, in not more than 30 words for each entry: $2 \times 10 = 20$

(i) क्रेम पुरी गुफाएँ

Krem puri caves

→ ये गुफाएं मेघालय राज्य में स्थित हैं

→ ये बालू से निर्मित विश्व की सबसे लंबी गुफा है

(ii) माटुंगा

Matunga

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(iii) जीरो घाटी
Ziro Valley

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iv) सेला पास
Sela pass

→ यह अरुणाचल प्रदेश में स्थित है जो अरुणाचल को तिब्बत क्षेत्र से जोड़ने का कार्य करता है

→ यह भारत व चीन के बीच विवाद के कारण चर्चा में बना रहता है

→ भारत सरकार द्वारा यहाँ सड़क निर्माण हेतु सुरंग निर्माण की योजना बनाई गई है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

या इस स्थान में प्रश्न
या के अतिरिक्त कुछ
लिखें।
ease do not write
thing except the
stion number in
space)

(v) हेमिस राष्ट्रीय उद्यान

Hemis national park.

→ यह मिजोरम राज्य में स्थित है

(vi) औली

Auli

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(vii) कुर्ग
Coorg

→ यह कर्नाटक राज्य में स्थित है
→ यह एक ऐतिहासिक स्थान है
→
→ यहाँ पर लौह अयस्क पाया जाता है

(viii) एराविकुलम नेशनल पार्क
Eravikulam National Park

→ यह केरल राज्य में स्थित है
→ इसमें नीलगिरी ताहर, लंगूर, चीतल, इत्यादि पाये जाते हैं
→ यहाँ पर सदाबहार वनस्पति भी पायी जाती है

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ix) गहिरमाथा (मरीन) वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी

Gahirmatha (Marine) Wildlife Sanctuary.

→ यह उड़ीसा राज्य में स्थित एक मैंग्रोव वन
की अभ्यारण्य है (सुभेद्य प्रजाति)
→ यहाँ प्रतिवर्ष आलिव रिडले कछुएं प्रजनन
व अण्डे देने के लिए आते हैं
→ उड़ीसा सरकार द्वारा इनकी रक्षा के लिए
योजना चलायी जा रही

(x) कांगेर घाटी नेशनल पार्क

Kanger valley national park.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारत में खनन उद्योग के विकास में मौजूद प्रमुख समस्याओं की चर्चा कीजिये। 10

Discuss main problems in development of mining industry in India. 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में अनेक खनिजों के खनन जैसे लौह इस्पात, कोयला इत्यादि के लिए किया जाता है

समस्याएँ

(i) खनन की उन्नत तकनीकों के अभाव के कारण खनन दक्षता व उत्पादन का निम्न स्तर पर होना

(ii) खनन स्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा के पर्याप्त उपाय का न होना जिसे अनेक बार श्रमिकों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है

(iii) खनन उद्योग के लिए प्रशिक्षित कुशल श्रमिकों का अभाव

(iv) खनन उद्योग के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

या इस स्थान में प्रश्न
या के अतिरिक्त कुछ
लिखें।
ease do not write
thing except the
estion number in
space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

में विलंब

(v) निजी क्षेत्र की निम्न भागीदारी तथा सार्वजनिक क्षेत्र के एकाधिकार के कारण प्रतिस्पर्धा का अभाव

(vi) खानों के ढहने से पर्यावरणीय समस्याएँ

(vii) खानों के कारण विस्थापित लोगों के पुनर्वास का अभाव

समाधान

→ खनिज नीति, 2015 का उचित क्रियान्वयन

→ उन्नत तकनीकी व प्रौद्योगिकी का प्रयोग।

→ श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना

→ निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ाना

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) गंगा नदी तंत्र तथा ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र में जलीय कृषि की संभावनाओं की चर्चा कीजिये। 10

Discuss about potential of aqua-culture in Ganga and Brahmaputra river systems respectively. 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गंगा नदी और ब्रह्मपुत्र नदियां दोनों ही सदानीरा नदियां हैं जिसमें जलीय कृषि की व्यापक संभावनाएँ विद्यमान हैं

→ दोनों नदियों के सदावाहिनी होने के कारण बांध बनाकर मछली पालन जैसे कार्य आसानी से किए जा सकते हैं

→ इन नदियों में अवसादों की भारी मात्रा के कारण मछलियों को भोजन की प्राप्ति भी हो जाएगी

→ इन नदियों के आसपास सघन जनसंख्या के निवास के कारण आवश्यक श्रमबल भी कम कीमत पर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो जाएगा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ सरकार जलमार्ग विकास नीति के तहत इन नदियों में जलीय कृषि को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है

समस्याएं व चुनौतियाँ

→ नदियों का प्रदूषण - मछलियों में विषाक्तता के कारण उत्पादन पर प्रभाव
→ उन्नत तकनीकों का अभाव
→ उन्नत आधारभूत संरचना का निम्न स्तर
→ जनजागरूकता में कमी

अतः उपर्युक्त ~~नीति~~ समस्याओं का समाधान कर जलीय कृषि को बढ़ावा दिया जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) अनावृष्टि प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम के महत्त्वपूर्ण तत्त्वों और इसकी कमियों की विवेचना कीजिये। 10

Analyse crucial components of drought prone area programme along with its deficiencies. 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत का लगभग 35-40% भाग सूखा प्रवण क्षेत्र है जिसमें मुख्यतः राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश का बुंदेलखण्ड क्षेत्र, पश्चिमी घाट का वृष्टि छाया क्षेत्र इत्यादि शामिल है।

इन्हीं की समस्याओं के निराकरण के लिए पंचवीं पंचवर्षीय योजना में अनावृष्टि प्रवण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया

कार्यक्रम के महत्त्वपूर्ण तत्व-

(1) जल संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देना

(2) उपयुक्त जल मांग वाले फसल प्रतिरूप का चयन करना

(3) सामाजिक वानिकी एवं कृषि वानिकी के माध्यम से वनावरण बढ़ाना

(4) कृषि के साथ-साथ पशुपालन, मुर्गीपालन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इत्यादि पर भी बल देना

(5) सूखे का पूर्वानुमान लगाना

कार्यक्रम की कमियां

→ वृक्षारोपण के अपेक्षित स्तर का न होना
→ पर्याप्त जनजागरूकता में कमी
→ नौकरशाही द्वारा नीति का अपर्याप्त क्रियान्वयन
→ अधिक जल मांग वाली फसलों का चयन

इन्ही कमियों के निवारण के लिए सरकार वर्तमान में जलसंभर विकास कार्यक्रम पर बल दे रही है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

2. (a) उत्तर भारत के विशाल मैदान की उत्पत्ति, संरचना एवं वर्गीकरण तथा उसके महत्त्व को सचित्र समझाइये। 20

Explain the origin, composition and classification of northern India's great plains with suitable diagrams along with its significance. 20

हिमालय के दक्षिण में 7.5 लाख वर्ग कि.मी. क्षेत्र में विस्तृत उत्तर का विशाल एवं अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूआकृतिक क्षेत्र है जो अपनी विशेषताओं के कारण अत्यन्त भौगोलिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक महत्व रखता है।

उत्पत्ति - माना जाता है कि भारतीय प्लेट के यूरेशियाई प्लेट से टकराने पर इनके मध्य एक गर्त का निर्माण हुआ। बाद में इन दोनों भूभागों (हिमालय व प्रायद्वीप) की अनेक नदियों द्वारा इस गर्त को अपनें अवसादों द्वारा भरना प्रारंभ किया गया जो आज भी जारी है।

यह कार्य मुख्यतः प्लीस्टोसीन एवं होलोसीन कालों के दौरान किया गया। इस मैदान में सामान्यतः अवसादों की मोटाई 3000 - 4000 m

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

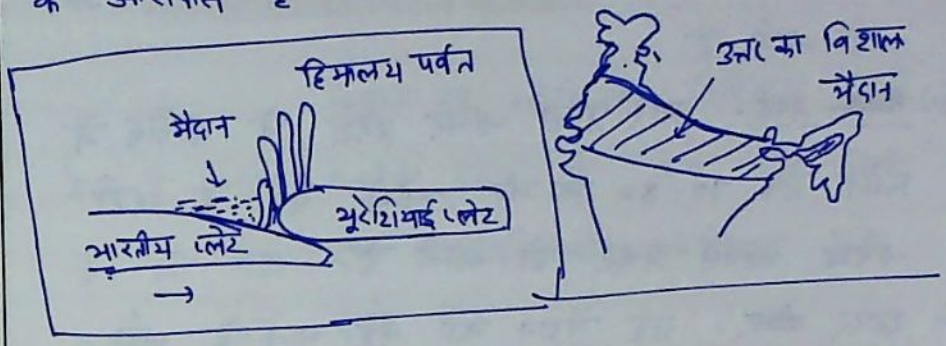

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

के आसपास है

संरचना -

→ यह अत्यन्त ही सपाट मैदान है जिसमें नदियों द्वारा लाये गए अवसादों की मोटी परत जमा है

→ इन अवसादों में बजरी, रेत, मृतिका, पंक इत्यादि है

→ इस मिट्टी में मैग्नीशियम, लौहा, जिंक, सिलिका इत्यादि खनिजों की बहुतायात है परन्तु ह्यूमस का अभाव है

वर्गीकरण

(i) भाबर - यह शिवालिक पर्वत के सहारे फैली एक समानान्तर पेटी है जिसमें पर्वतीय नदिया मोटे-मोटे अवसादों (बॉल्डर्स इत्यादि) का जमाव करती है

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ पर्वतीय नदियाँ यहाँ इन अवसादों में विलुप्त हो जाती है

(ii) ~~भाभर~~ तराई - तराई प्रदेश भाभर प्रदेश के दक्षिण में स्थित एक 70-80 कि.मी. चौड़ी पेटी है जहाँ नदियाँ वापस प्रकट हो जाती है

(iii) खादर ~~बांगर~~ - यह मैदान का वह भाग है जहाँ नदियों द्वारा प्रतिवर्ष नये अवसादों का जमाव होता है। यह उपजाऊ क्षेत्र होता है

(iv) बांगर - पुराने बाढ़ का मैदान जहाँ बाढ़ का पानी नहीं पहुँच पाता

(v) अन्य - भूड़, रेह, कल्लर इत्यादि

मैदान का महत्व -

(i) उपजाऊ होने के कारण कृषि विकास में सहायक व विशाल जनसंख्या को भोजन की प्राप्ति में सहायक

(ii) समतल भूमि के कारण परिवहन का विकास

(iii) प्राचीन काल से ही अनेक सभ्यताओं का पोषक

(iv) उद्योगों हेतु कच्चे माल की आपूर्ति

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारत में वनों के भौगोलिक वितरण को बताएँ। आर्द्रउष्ण कटिबंधीय वनों की विशेषताओं तथा उनके महत्त्व की विवेचना कीजिये। 15

Elucidate geographical distribution of forests in india. Analyse the salient features of moist tropical forests and their significance. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत एक भौगोलिक विविधता वाला देश है जहां अनेक प्रकार के वन पाये जाते है जो देश की पारिस्थितिकीय विविधता को आकार प्रदान करते हैं।

प्रमुख वन.

(i) उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन →
(ii) मानसूनी (पर्णपाती वन)
(iii) शुष्क वन
(iv) पर्वतीय वन
(v) मरुस्थलीय वन
(vi) ज्वारीय वन

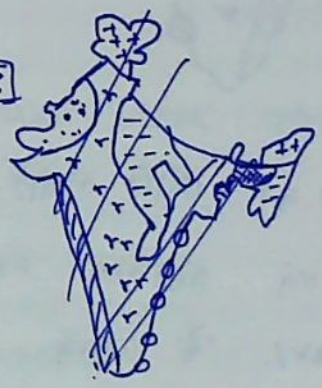

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

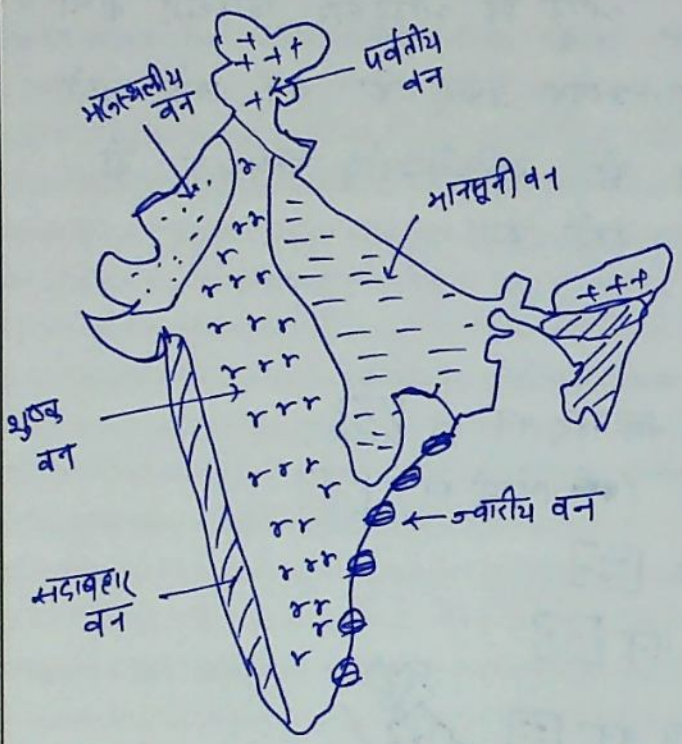

भारत वन स्थिति रिपोर्ट के अनुसार भारत में वन एवं वृक्षावरण कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का २४.८२% है जिसमें वनावरण २१.५% है।

इन वनों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण वन आर्द्र उष्ण कटिबंधीय वन है जिनकी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

(i) यहाँ वर्षा 200 cm से ज्यादा होती है

(ii) इन वृक्षों में मुख्यतः सिनकोना, सागवान, इत्यादि प्रमुख है

(iii) इन वृक्षों की लकड़ी कठोर होती है

(iv) इन वनों में वृक्षों के कई स्तर पाये जाते हैं

(v) यहाँ वृक्षों पर अनेक जीव-जन्तुओं के निर्भर होने के कारण प्रचुर जैव विविधता पायी जाती है

महत्त्व-

(i) ईंधनी लकड़ी में इनका व्यापक प्रयोग होने के कारण आर्थिक महत्व

(ii) पारिस्थितिकी संतुलन में भूमिका

(iii) जैव-विविधता को आश्रय

(iv) अनेक जनजातियों को आवास व भोजन की उपलब्धता

(v) उद्योग के लिए कच्चे माल की आपूर्ति

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) भारत में सिंचाई की परंपरागत विधियों एवं उनकी समस्याओं की चर्चा करते हुए सूक्ष्म सिंचाई विधियों के महत्त्व को बताइये। 15

Discussing traditional irrigation methods in India and their demerits, explain the importance of micro-irrigation methods. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

खेतों में कृत्रिम रूप से जल पहुंचाने को सिंचाई कहा जाता है। भारत में मानसून की अनिश्चितता के कारण कृषि के लिए सिंचाई अत्यन्त आवश्यक है।

सिंचाई की परंपरागत सिंचाई विधियां

(1) कुंए एवं नलकूप -

→ भारत में 58% कृषि भूमि में सिंचाई

→ उत्तरी मैदान में जलस्तर के ऊपर होने के कारण इनकी बहुतायात

→ प्रमुख राज्य - उत्तरप्रदेश, पंजाब, हरियाणा इत्यादि

समस्याएं

→ भूजलस्तर में गिरावट

→ लवणीकरण व क्षारीयता की समस्या

→ सीमान्त किसानों के पास पूंजी की कमी

(2) नहरें - भारत के 27% कृषि भूमि पर सिंचाई

→ उत्तरी भारत में सदानीरा नदियों के कारण नहरी सिंचाई की प्रमुखता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ दक्षिण भारत के डेल्टा क्षेत्रों में भी नहरों द्वारा सिंचाई

समस्याएँ - पानी का अन्यायपूर्ण वितरण नहीं
→ पानी का वाष्पीकरण व रिसाव
→ नहरों के पास लवणता व जलाक्रांतता की समस्याएं

(3) तालाब - भारत के लगभग 17% कृषि भूमि पर सिंचाई
→ प्रायद्वीपीय भारत में कठोर चट्टानों के कारण इनकी प्रमुखता

समस्याएँ - वर्षा के समय सूख जाना
→ अत्यधिक पूँजी निवेश
→ सीमित कृषि भूमि पर सिंचाई

अतः स्पष्ट है कि पंरपरागत सिंचाई विधियों में अनेक समस्याएं विद्यमान हैं जिसके समाधान के लिए सूक्ष्म सिंचाई विधियों को अपनाना समीचीन प्रतीत होता है

सूक्ष्म सिंचाई विधियों में अनेक प्रकार

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

होते है -

(i) ड्रिप सिंचाई - प्रत्येक पौधे तक बूंद-बूंद पानी
(ii) फव्वारा सिंचाई
(iii) मटका सिंचाई
(iv) फर्टिगेशन - पानी में उर्वरक मिलाकर सिंचाई

सूक्ष्म सिंचाई का महत्व

(i) पानी की बचत
(ii) सिंचाई दक्षता में सुधार
(iii) प्रति बूंद अधिक फसल होना
(iv) लवणता व क्षारीयता की समस्या से निजात
(v) सिंचाई भूमि में वृद्धि
(vi) सूखे के प्रभाव में कमी

चुनौतियाँ

(i) महँगी व जटिल प्रौद्योगिकी
(ii) अत्यधिक पूंजी निवेश
(iii) किसानों में जागरूकता का अभाव

अतः संस्थागत ऋण उपलब्ध कराकर तथा किसानों में जागरूकता में वृद्धि कर इस विधि को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3. (a) भारत विश्व के प्रमुख गन्ना उत्पादक देशों में से एक है, किंतु वर्तमान समय में भारत में गन्ना आधारित उद्योगों की स्थिति अत्यधिक दयनीय है। क्या कारण है कि भारत में अत्यधिक गन्ना उत्पादन होने के बावजूद भी चीनी उद्योग व्यापक रूप में निर्यात संवर्द्धन नहीं कर पा रहा है? 15

India is one of the largest sugarcane producer of the world but the condition of sugar-based industry is pathetic at present. What are the reason that despite huge sugarcane production, sugar industry is not able to promote export comprehensively. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत ब्राजील, मैक्सिको इत्यादि देशों के साथ विश्व के अग्रणी गन्ना उत्पादक देशों में शामिल है तथा गन्ने का प्रयोग चीनी उद्योग में करता है।

परन्तु अनेक कारणों के कारण चीनी उद्योग समस्याओं का सामना कर रहा है.

→ गन्ना क्षेत्र में कमी आने के कारण उद्योग को समय पर पर्याप्त मात्रा में कच्चे माल की आपूर्ति नहीं हो पाती

→ सरकार की ~~[illegible]~~ उचित एवं ~~[illegible]~~ क्षतिपूर्ति मूल्य (FRP) के कारण गन्ने की कीमतों के अधिक होने के फलस्वरूप चीनी उत्पादन की लागत में कमी

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ भारत में गन्ना पेराई के दिनों की संख्या कम है विशेषकर उत्तर भारत में

→ भारत में गन्ना उद्योग की मशीनें पुरानी है जो अत्यन्त दक्षता के साथ गन्ना से चीनी उत्पादित नहीं कर पाती

→ ~~चीनी~~ चीनी उद्योग एक मौसमी उद्योग है जिसमें मशीनों को काफी समय तक बन्द रखना पड़ता है जिससे उनकी क्षमता का पूर्ण इस्तेमाल नहीं हो पाता

→ सरकारी चीनी आयात पर कोई प्रतिबन्ध नहीं लगाती इसके कारण घरेलू उद्योग को प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है

→ इस संबन्ध उपर्युक्त सरकारी नीतियों का अभाव व कार्यदक्षता तथा क्रियान्वयन का निम्न स्तर है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

या इस स्थान में प्रश्न
या के अतिरिक्त कुछ
लिखें।
ease do not write
thing except the
estion number in
space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

समस्या के समाधान के उपाय.

(i) कच्चे माल की निर्बाध आपूर्ति
(ii) चीनी मिलों पर उचित मूल्य पर गन्ना प्राप्ति
(iii) नई प्रौद्योगिकी की मशीनों की स्थापना
(iv) चीनी ~~उद्योग~~ के उद्योग के उत्पादों के अलावा उप- उत्पादों का समुचित इस्तेमाल
(v) समुचित आयात व निर्यात नीति

हाल ही में सरकार ने चीनी मिलों को प्रति टन गन्ने पर क्षतिपूर्ति राशि प्रदान करने की योजना का अनावरण किया है जिससे इस उद्योग की दशा में सुधार की संभावना है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारत में आर्द्रभूमियों की पर्याप्त संख्या मौजूद है किंतु निरंतर बढ़ती जनसंख्या तथा नगरीकरण ने इनका अतिक्रमण किया है, जिसके परिणामस्वरूप आर्द्रभूमि पारितंत्र का निरंतर ह्रास हुआ है। उपर्युक्त कथन के संदर्भ में आर्द्रभूमि पारितंत्र की महत्ता को बताएँ तथा उनके संरक्षण के उपायों को सुझाएँ। 20

There is significant number of wetlands in India but continuously expanding population and urbanisation have encroached them due to which continuous degradation of wetlands has taken place. Explain Importance of wetland ecosystems with reference to this statement and some measures to preserve them. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आर्द्रभूमियाँ ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र हैं जो न स्वच्छ जल तंत्र होती है और न ही सागरीय। ये पारितंत्र में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है परन्तु वर्तमान में इनके अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है।

ह्रास के कारण-

(i) जनसंख्या वृद्धि के कारण आर्द्रभूमियों पर अतिक्रमण

(ii) शहरीकरण के कारण अनेक प्रकार के ठोस व द्रव अपशिष्टों का निपटान आर्द्रभूमियों में किया जाता है

(iii) अनेक औद्योगिक इकाइयों द्वारा हानिकारक रासायनिक अपशिष्टों का निस्तारण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आर्द्रभूमियों की महत्ता.

(i) ये वर्षा जल को संग्रहित कर भूजल के पुनर्भरण में सहायक होती हैं

(ii) ये CO_2 जैसी ग्रीनहाउस गैस को अवशोषित कर भूमण्डलीय उष्मन को कम करने में सहायक होती है इसलिए इन्हें '<u>प्रकृति की किडनियां</u>' कहा जाता है

(iii) इनमें अनेक प्रकार के जीव-जन्तु आश्रय प्राप्त करते है जो जैवविविधता व खाद्य श्रृंखला में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते है

(iv) यह अपशिष्टों व प्रदूषित जल को शुद्ध करने का कार्य कर प्रदूषण को कम करने में सहायक होती है

(v) इनमें ~~मत्स्यन~~ मत्स्यन के क माध्यम से खाद्य सुरक्षा में तथा रोजगार सृजन मे योगदान

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

संरक्षण के उपाय -

(i) आर्द्रभूमियों के अतिक्रमण को रोकना

(ii) रामसर कन्वेंशन (1971) के प्रावधानों का समुचित क्रियान्वयन। ज्ञातव्य है कि इसके अन्तर्गत भारत में 26 आर्द्रभूमियों की पहचान की गई है

(iii) मांट्रेक्स रिकॉर्ड के प्रावधानों को लागू करना

(iv) भारत का आर्द्रभूमि संरक्षण कार्यक्रम

(v) हाल ही में सरकार द्वारा नये 'आर्द्रभूमि संरक्षण नियम' घोषित किए गए हैं जिनका समुचित क्रियान्वयन आवश्यक

(vi) समाज में जागरूकता प्रसारण

आर्द्रभूमियों के संरक्षण के माध्यम से पारिस्थितिक संतुलन, जल सुरक्षा, रोजगार सृजन इत्यादि लाभों की सुनिश्चितता होगी। अतः इसके लिए समुचित प्रयासों की आवश्यकता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) भारत में पेट्रोरसायन उद्योग के वर्तमान स्वरूप की चर्चा कीजिये तथा इसकी उपयोगिता पर भी प्रकाश डालें। 15

Discuss the present situation of petrochemical Industries in India and highlight its utility too. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पेट्रोरसायन उद्योग उन ~~सम~~ उद्योगों को कहा जाता है जिनमें कच्चे माल के रूप में पेट्रोलियम उत्पादों का प्रयोग किया जाता है। इसमें अनेक प्रकार के उद्योग शामिल किए जाते हैं।

प्रमुख उद्योग

(i) रासायनिक उर्वरक उद्योग
(ii) कृत्रिम रेशे उद्योग
(iii) भारी रसायन उद्योग
(iv) हल्के रसायन उद्योग
(v) बहुलक निर्माण उद्योग

रासायनिक उर्वरक उद्योग में यूरिया का उत्पादन पेट्रोलियम रिफायनरी के उत्पाद 'नेप्था' के माध्यम से किया जाता है। वर्तमान में भारत विश्व का द्वितीय सबसे बड़ा यूरिया का उत्पादक देश है। यह उद्योग भारत में कृषि विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है व खाद्य सुरक्षा में

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृत्रिम रेशे उद्योग में अनेक प्रकार के नॉन-सेल्यूलोज रेशों जैसे पालिस्टर इत्यादि का निर्माण किया जाता है। इनसे अनेक प्रकार के वस्त्रों का निर्माण किया जाता है।

साथ ही अनेक प्रकार के बहुलकों से प्लास्टिक उत्पादों व पॉलीथिन का निर्माण भी किया जाता है। यह उद्योग अनेक उद्योगों के लिए कच्चे माल के स्रोत जैसे खिलौना उद्योग, पाइप उद्योग इत्यादि के रूप में कार्य करता है तथा प्लास्टिक की उपयोगिता तो वर्तमान में सर्वविदित है।

इसी के साथ घरेलू प्रसाधन सामग्री के निर्माण में भी इस उद्योग का महत्वपूर्ण स्थान है।

भारी रसायनों में मुख्यतः सल्फ्यूरिक अम्ल, नाइट्रिक अम्ल इत्यादि का उत्पादन किया जाता है जिनके अनेक औद्योगिक अनुप्रयोग हैं

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

है हल्के रसायन उद्योगों में में पेंट, वार्निश उद्योग शामिल किया जाता है जो मशीनों को जंग से बचाने एवं इमारतों के स्थायित्व हेतु अत्यन्त उपयोगी है

भारत में यह उद्योग मुख्यतः पेट्रोलियम शोधनशालाओं के किनारे विकसित हुआ है। यह उद्योग मुख्यतः महाराष्ट्र, कर्नाटक, ~~—~~ गुजरात, उत्तरप्रदेश इत्यादि राज्यों में विस्तृत है।

इस प्रकार पेट्रोरसायन उद्योग एक अत्यंत उपयोगी उद्योग है जो मनुष्य के जीवन के विभिन्न पक्षों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है परन्तु वर्तमान में अनेक कारणों से उद्योग को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है जिनका उचित निराकरण आवश्यक है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खंड - ख / SECTION - B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये: $10 \times 5 = 50$
Answer the following in about 150 words each:

(a) भारत में लिंगानुपात कम होने के कारणों को बताते हुए इसके सामाजिक परिणामों की व्याख्या कीजिये।

Elucidating factors behind low sex ratio in India, explain its social consequences.

भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार लिंगानुपात 943 है जबकि बाल लिंगानुपात 919 है तथा इसमें पर्याप्त क्षेत्रीय विषमता विद्यमान है।

लिंगानुपात कम होने के कारण-

→ पितृसत्तात्मक सोच के कारण पुत्र की चाह ज्यादा होने के कारण कन्या भ्रूण हत्या

→ दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों के कारण लड़की को आर्थिक बोझ समझना

→ लड़कियों के पोषण, शिक्षा पर उचित ध्यान न देना

→ महिलाओं का कम उम्र में माँ बनने (बाल विवाह) के कारण स्वास्थ्य पर खतरा

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ प्रसव सुविधाओं के निम्न स्तर के होने के कारण मातृ मृत्यु दर का अधिक होना

→ लड़की को अपनी इज्जत की सूचक समझना → ऑनर किलिंग इत्यादि

सामाजिक परिणाम -

(i) लड़कियों की कमी के कारण अनेक योग्य युवकों को शादी के लिए लड़की नहीं मिल पाती

(ii) इसकी वजह से लड़कियों की खरीद-फरोख्त की जाती है

(iii) समाज के संतुलित विकास का न होना क्योंकि महिला परिवार के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है

(iv) युवाओं में अवसाद के कारण बलात्कार जैसी घटनाओं का होना

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) मानसून की अरब सागरीय शाखा के मार्ग तथा वर्षा प्रतिरूप का वर्णन कीजिये।

Explain the paths of arabian sea branch of monsoon along with precipitation pattern.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दक्षिण-पश्चिम मानसून भारत के दक्षिण भाग से टकराने के पश्चात दो भागों में विभाजित हो जाता है जिसमें अरब सागरीय शाखा भारत के पूर्वी भाग के, उत्तरी पूर्वी एवं उत्तरी भाग में वर्षा हेतु उत्तरदायी है

अरब सागरीय शाखा
- प्रथम उपशाखा उत्तर-पूर्वी भारत की ओर
- हिमालय के पूर्वी भाग की ओर तथा बाद में उत्तरी भाग

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ उत्तर-पूर्वी भारत वाली शाखा उत्तरी-पूर्वी भारत में हिमालय से टकराकर काफी वर्षा करती है। यह शाखा यह पहाड़ियों की कीपाकार आकृति में फंसकर अत्यधिक वर्षा करती है। इसी वजह से मेघालय के चेरापूंजी में विश्व की सर्वाधिक वर्षा होती है (1250 cm)

→ दूसरी शाखा तमिलनाडु के समानान्तर निकल जाती है अतः वहां वर्षा नहीं कर पाती

→ आगे चलकर यह हिमालय से टकराकर पश्चिमी भारत की ओर मुड़ जाती है जहाँ यह पूर्वी राजस्थान तक वर्षा करती है। हालाँकि वर्षा की मात्रा पूर्व से पश्चिम की ओर जाने पर घटती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) औद्योगिक और व्यापारिक नगर में परिलक्षित होने वाले अंतर को बताइये।
Mention the apparent differences between industrial and trade towns.

औद्योगिक नगर	व्यापारिक नगर
(i) यहां औद्योगिक गतिविधियां जैसे विनिर्माण इत्यादि की बहुलता होती है	(i) यहां सामानों के क्रय-विक्रय की गतिविधियां ज्यादा होती है
(ii) यहां अनेक प्रकार के कारखानें पाये जाते हैं	(ii) यह कारखानें नहीं पाये जाते बल्कि क्रय-विक्रय की मण्डियां ज्यादा पायी जाती हैं
(iii) यहाँ औद्योगिक संरचनाओं चिमनियों, औद्योगिक श्रमिकों की उपस्थिति ज्यादा होती है	(iii) यह खुदरा दुकानें, थोक दुकानें तथा दुकानदारों व खरीददारों की उपस्थिति ज्यादा
(iv) वस्तुओं के उत्पादन पर ज्यादा बल	(iv) वस्तुओं के क्रय-विक्रय तथा आयात-निर्यात पर ज्यादा बल

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(v) यहाँ वायुमण्डलीय प्रदूषण ज्यादा पाया जाता है	(v) यहां कम पाया जाता है
(vi) जैसे जमशेदपुर एक औद्योगिक नगर है	(vi) जबकि मुंबई एक व्यापारिक नगर है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर लागू करने के सामाजिक, आर्थिक और रणनीतिक निहितार्थों की व्याख्या कीजिये।

Explain the social, economic and strategic implecations of implementing National Register of Citizens (NRC) in Assam.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हाल ही सरकार द्वारा असम समझौते (1985) का पालन करते हुए असम राज्य में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर का प्रथम अद्यतन रिकॉर्ड प्रकाशित किया गया जिसमें असम के वैध नागरिकों की सूची है।

इस कदम के व्यापक प्रभाव पड़ने की संभावना है

(1) सामाजिक प्रभाव-

→ इससे अवैध प्रवासियों को निर्वासित करके जनांकिकीय संतुलन प्राप्त करने में सहायता

→ समुदायों के मध्य तनाव बढ़ सकता है

→ अनेक वैध लोगों को प्रशासनिक कारणों के कारण लिस्ट से बाहर होने के कारण अनावश्यक नुकसान उठाना पड़ सकता है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आर्थिक परिणाम-

(i) अवैध प्रवासियों के कारण स्थानीय संसाधनों व रोजगार साधनों पर अनुचित दबाव पड़ने के कारण आर्थिक विकास अवरुद्ध हो रहा था जिसके अब सही होने की संभावना है

(ii) अनेक कुशल लोगों के लिस्ट से बाहर होने पर मानव संसाधन की कमी

रणनीतिक निहितार्थ.

(i) बांग्लादेश के साथ संबन्धों में तनाव आ सकता है

(ii) पूर्व-पूर्व क्षेत्र में अतिवाद का प्रसार होने की संभावना है

(iii) हालांकि अनेक प्रवासियों द्वारा संचालित अनेक गैर कानूनी गतिविधियों जैसे आतंकवाद, तस्करी इत्यादि पर रोक ~~लगेगी~~ लगने की उम्मीद है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) अनुसूचित जनजातियों के वितरण प्रतिरूप की व्याख्या कीजिये।

Explain the distribution pattern of scheduled tribes in India.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत की जनसंख्या का 8.3% भाग अनुसूचित जनसंख्या के रूप में है जो देश के विभिन्न भागों में विस्तृत है।

अनुसूचित जनजाति के प्रमुख क्षेत्र.

(i) **उत्तरी क्षेत्र.** उत्तराखण्ड, हिमाचल
जनजातियां - गुज्जर, बक्करवाल इत्यादि

(ii) **पश्चिमी क्षेत्र.** राजस्थान, गुजरात
जनजातियां - मीणा, भील, गरासिया, सहरिया

(iii) **मध्य भारत.** मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड
जनजातियां - गोंड, संथाल, भील, हो, मुण्डा

(iv) **पूर्वी भारत.** उड़ीसा, पश्चिमी बंगाल, बिहार
जनजातियां - अबुझमारिया, सन्थाली, मुण्डा

(v) **दक्षिणी भारत.** तमिलनाडु (नीलगिरी क्षेत्र), कर्नाटक
जनजातियां - चेंचू, टोडा इत्यादि

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(vi) उत्तर-पूर्वी भारत. सिक्किम सहित 7 राज्य

जनजातियां - बोरिया, गारो, नागा, कुकी, मिजो इत्यादि

(vii) द्वीपीय क्षेत्र. अण्डमान एवं निकोबार तथा लक्षद्वीप

जनजातियां - सेंटलीज, जारवा, अण्डमानी, निकोबारी इत्यादि

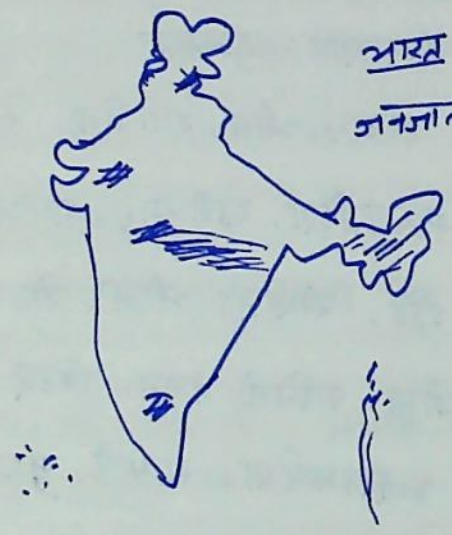

भारत
जनजातीय बहुल क्षेत्र

वर्तमान में संख्या की दृष्टि से मध्यप्रदेश तथा प्रतिशत की दृष्टि से मिजोरम में सर्वाधिक जनजातीय जनसंख्या पायी जाती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) आवास की विशिष्ट दशा अनुसूचित जातियों की समस्याओं का मूल कारण है। अनुसूचित जनजाति की समस्याओं के समाधान के साधन के रूप में राष्ट्रीय जनजाति नीति के महत्त्व को रेखांकित कीजिये। 20

Specific conditions of habitation is the fundamental reason of problems of scheduled tribes in India. Underline the importance of proposed national policy for tribals as a solution of problems of scheduled tribes. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में अनुसूचित जातियां कुल जनसंख्या की 8.3% है जो भारत के विभिन्न भागों में अपनी विशिष्ट आवासीय दशाओं में निवास करती है।

विशिष्ट आवासीय दशाएं व समस्याएं

(i) दुर्गम पर्वतों में निवास - इसके कारण इन तक परिवहन सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित नहीं हो पाती है जिससे ये देश की बाकी जनसंख्या से जुड़ नहीं पाती

(ii) सघन वनों में निवास - ये इन वनों में निवास कर यहां के उत्पादों पर निर्भर रहती हैं, ये यहां से वन्य उत्पादों जैसे- फल, शहद, औषधियों इत्यादि के माध्यम से अपनी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आय व रोजगार आवश्यकताओं की पूर्ति करती है परन्तु वर्तमान में सरकार द्वारा इन वनों को राष्ट्रीय उद्यान, बायोस्फीयर रिजर्व इत्यादि घोषित किया जा रहा है जिससे इनके सामने भोजन, आवास, रोजगार इत्यादि का संकट हो गया है

(iii) खनिज संसाधन संपन्न प्रदेशों में निवास- अनेक खनन परियोजनाओं के कारण इनको अपने मूल निवास से विस्थापन का सामना करना पड़ता है तथा पुनर्वास के अभाव के कारण इनकी आजीविका, आवास व भोजन के समक्ष संकट आ जाता है

(iv) साथ ही इन तक बिजली, पानी, इंटरनेट, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं की निम्न पहुंच के कारण इनके विकास का निम्न स्तर विद्यमान है

इन्हीं समस्याओं को ध्यान में

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रखते हुए सरकार द्वारा राष्ट्रीय जनजाति नीति प्रस्तावित की गई है जिसके प्रावधान निम्नलिखित है-

(i) जनजातियों के विस्थापन को तर्कसंगत बनाकर पुनर्वास सुनिश्चित करना

(ii) जनजातियों को वन अधिकार देने के लिए वन अधिकार अधिनियम, 2006 का समुचित कार्यान्वयन

(iii) जनजातियों की आजीविका को सुनिश्चित कर उनका समुचित विकास

(iv) जनजातियों तक शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, इंटरनेट जैसी सुविधाओं की समुचित पहुँच

इस प्रकार उपर्युक्त नीति में जनजातियों के विकास हेतु अनेक प्रावधान किए गए हैं परन्तु समुचित लाभ प्राप्त करने हेतु इनका उचित क्रियान्वयन व जनभागीदारी आवश्यक है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) राज्य स्तर पर महिलाओं की सहभागिता के अनुपात में अत्यधिक विषमता को कम करने के दीर्घकालिक समाधान के रूप में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना किस प्रकार योगदान कर सकती है? 15

How can 'Beti bachao, beti padhao' initiative can contribute as a long-term solution towards the minimization of stark disparity in female workforce participation at state level? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में अनेक आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक क्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी चिन्ताजनक स्तर पर विद्यमान है जो विश्व आर्थिक मंच की वैश्विक लैंगिक अंतराल इंडेक्स में भारत की 108 वीं रैंक से सिद्ध होता है।

यह निम्न रैंक वस्तुतः आर्थिक भागीदारी में महिलाओं की कम उपस्थिति के कारण है। साथ ही श्रम बल में भी पुरुषों की तुलना में महिलाओं की निम्न भागीदारी है

इस प्रकार के परिदृश्य के पीछे जिम्मेदार कारक-

(i) समाज की पितृसत्तात्मक सोच

(ii) समान कार्य के लिए समान वेतन का न होना

(iii) पारिवारिक जिम्मेदारियों का महिलाओं पर

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

ज्यादा बोझ

(iv) कार्यस्थल पर महिलाओं हेतु सुरक्षा का अभाव

(v) महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध

(vi) सरकार की नीतियों के क्रियान्वयन में नौकरशाही की असंवेदनशीलता एवं जनजागरूकता का अभाव

इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने हरियाणा के पानीपत जिले से बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ ~~कार्य~~ योजना आरंभ की गई

योजना के प्रावधान.

(i) कन्या भ्रूण हत्या रोकने के लिए PCPNDT (गर्भधारण प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम) विनियम अधिनियम का ~~कु~~ और सख्त

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कठोर कार्यान्वयन

(ii) समन्वित बाल विकास केन्द्रों के माध्यम से पुपोषण की समस्या का समाधान

(iii) बाल विवाह को रोकने के लिए 'सुकन्या समृद्धि खाता' स्कीम

(iv) जनजागरूकता बढ़ाने के लिए 'सेल्फी विद डॉटर' गुड़िया-गुड़ी बोर्ड इत्यादि नवाचारों को अपनाना

इस प्रकार इस योजना में महिलाओं की उत्तरजीविता व शिक्षा हेतु अनेक प्रयास किए गए परन्तु श्रम बल में भागीदारी को और आखिर बढ़ाने के लिए समान कार्य समान वेतन यौन उत्पीड़न रोकथाम इत्यादि उपायों को भी सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(c) भारत में भू-स्खलन सुभेद्यता क्षेत्र का उल्लेख करते हुए भू-स्खलन के मुख्य कारणों एवं परिणामों की विवेचना कीजिये। 15

Mentioning landslide-prone areas of India describe the main factors and consequences of landslide. 15

अनेक कारणों से भूमि का अस्थिर होकर गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में नीचे की ओर गति करना भूस्खलन कहलाता है। भारत के अनेक स्थानों पर इस समस्या का सामना करना पड़ता है।

भूस्खलन सुभेद्यता क्षेत्र.

(i) हिमालयी क्षेत्र. यह क्षेत्र विवर्तनिकी दृष्टि से अस्थिर क्षेत्र है। इसलिए यहाँ पर सर्वाधिक भूस्खलन की घटनाएं देखी जाती है। साथ ही यह पर्वत नवीन मुलायम अवसादी चट्टानों से निर्मित है अतः वर्षा के समय भूस्खलन के अनेक मामलें देखने को मिलते है

(ii) पश्चिमी घाट क्षेत्र. वर्षा के दिनों में यहाँ भी भूस्खलन के कुछ मामले देखने को मिलते है.

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iii) अन्य क्षेत्र. इनमें अरावली पर्वतीय क्षेत्र, अण्डमान निकोबार इत्यादि क्षेत्र शामिल किए जाते हैं

भूस्खलन के कारण-

(i) विवर्तनिकी कारण. इसकी वजह से चट्टानें अस्थिर होकर गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में नीचे आ जाती हैं

(ii) अत्यधिक वर्षा के कारण मिट्टी गीली होकर ढीली हो जाती है तथा ढाल के सहारे नीचे की ओर गति करती है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iii) पर्वतीय क्षेत्रों में निर्वनीकरण के फलस्वरूप मिट्टी ढीली हो गई है जो थोड़ी सी भी अस्थिरता की वजह से नीचे आ जाती है

(iv) मानव द्वारा पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क, सुरंग, मकान इत्यादि के निर्माण के कारण यह क्षेत्र अस्थिर हो जाता है

भूस्खलन के परिणाम-

(i) यातायात मार्गों का बाधित होना

(ii) ढाल के नीचे बसे मनुष्यों व पशुओं की मृत्यु

(iii) नदियों के मार्ग में अवरोध के कारण बाढ़ आना

उपाय-

→ घरों को इन स्थानों से दूर बनाना

→ निर्वनीकरण को रोकना

Copyright – Drishti The Vision Foundation

भूगोल (वैकल्पिक विषय)

(मॉडल टेस्ट-II)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5 अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के उत्तर दीजिये।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशत: दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation